

This question paper contains 2 printed pages]

FO—79—2023

FACULTY OF ARTS

M.A. (First Year) (First Semester) EXAMINATION

APRIL/MAY, 2023

HINDI

Paper III

(हिंदी साहित्य का इतिहास : भाग-1)

(Saturday, 6-5-2023)

Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.

Time—Three Hours

Maximum Marks—75

N.B. :— (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. हिंदी साहित्य की इतिहासलेखन परंपरा को स्पष्ट करते हुए पुनर्लेखन की समस्याओं को विशद कीजिए। 20

अथवा

आदिकाल की पृष्ठभूमि का सविस्तार परिचय दीजिए।

2. भक्तिकाल की प्रेरक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

सूफी काव्यधारा के विकासक्रम को स्पष्ट कर उसकी प्रवृत्तिगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

3. रीतिकालीन सामान्य परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

रीतिबद्ध काव्यधारा की प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए।

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

5

- (i) आचार्य रामचंद्र का हिंदी साहित्य का काल विभाजन
- (ii) अलवार संत
- (iii) संत कबीरदास
- (iv) कवि घनानंद।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए :

5

- (i) 'आदिकाल को सिद्ध-सामंत युग' की संज्ञा किसने दी है ?
- (ii) 'पृथ्वीराज रासो' के कवि कौन हैं ?
- (iii) हिंदी में अभंग पद के लिए कौन प्रसिद्ध हैं ?
- (iv) 'विनय-पत्रिका' किसकी रचना है ?
- (v) घनानंद, आलम, बोधा, शेख ये रीतिकाल की किस काव्यधारा से जुड़े थे ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

5

- (i) 'हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' के लेखक हैं।
- (ii) 'भरतेश्वर बाहुबलि रास' के कवि हैं।
- (iii) तुलसीदास की कीर्ति का आधारस्तंभ काव्यग्रंथ है।
- (iv) गोस्वामी विठ्ठलनाथ ने पुष्टिमार्गीय कवियों पर अपने आशीर्वाद की छाप लगाई है, जिन्हें के कवि कहा जाता है।
- (v) बिहारी रीतिकालीन काव्यधारा के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं।